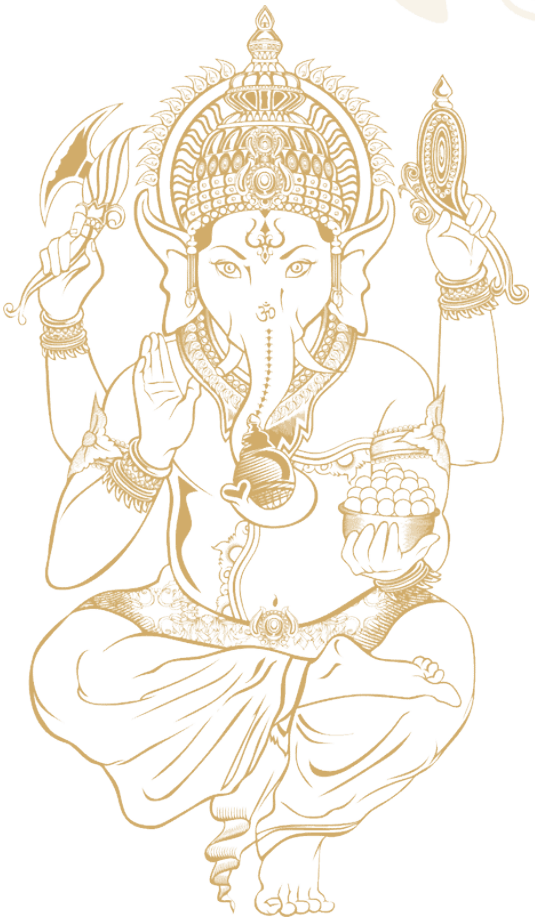

S

Y

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121612102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/06/1997	जन्म तिथि	28/06/1999
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:43:00	जन्म समय	11:50:00 घंटे
घटी 05:45:15	जन्म समय(घटी)	16:00:52 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:54	सूर्योदय	05:25:39
19:22:30	सूर्यास्त	19:22:45
23:49:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 11मा 24दि	08:49:33	कर्क	लग्न	कन्या	04:30:06	केतु 4वर्ष 3मा 3दि
गुरु	09:45:01	मिथु	सूर्य	मिथु	12:17:35	सूर्य
19/06/2014	07:25:13	कुंभ	चंद्र	धनु	05:13:14	01/10/2023
19/06/2030	08:44:46	कन्या	मंगल	तुला	04:04:02	30/09/2029
गुरु 06/08/2016	08:52:27	मिथु	बुध	कर्क	07:49:21	सूर्य 18/01/2024
शनि 17/02/2019	27:45:34	मक व	गुरु	मेष	06:07:57	चन्द्र 19/07/2024
बुध 25/05/2021	01:41:54	कर्क	शुक्र	कर्क	26:26:06	मंगल 24/11/2024
केतु 01/05/2022	25:21:25	मीन	शनि	मेष	20:07:09	राहु 18/10/2025
शुक्र 30/12/2024	29:17:09	सिंह व	राहु व	कर्क	19:31:10	गुरु 07/08/2026
सूर्य 18/10/2025	29:17:09	कुंभ व	केतु व	मक	19:31:10	शनि 20/07/2027
चन्द्र 17/02/2027	14:09:04	मक व	हर्ष व	मक	22:24:40	बुध 25/05/2028
मंगल 24/01/2028	05:25:33	मक व	नेप व	मक	09:51:16	केतु 30/09/2028
राहु 19/06/2030	09:37:01	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:33:13	शुक्र 30/09/2029

लग्न-चलित

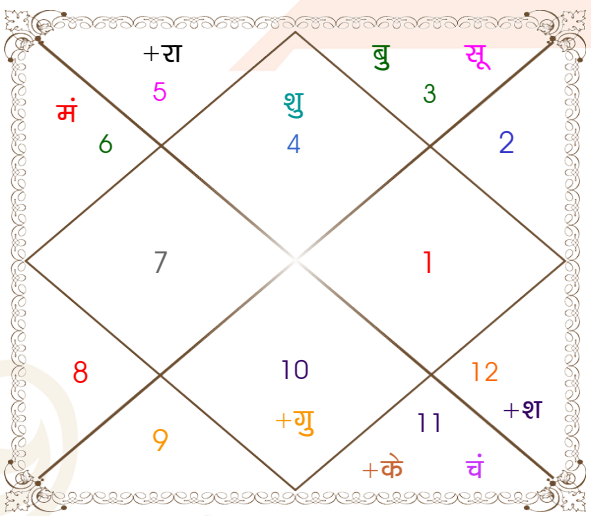

लग्न-चलित

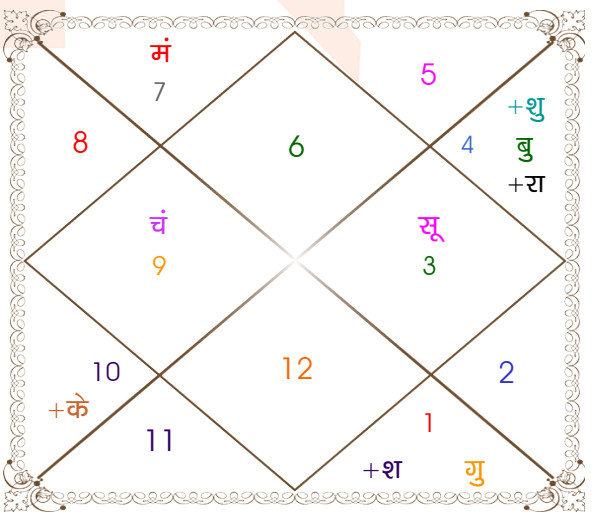

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

ै का वर्ग मार्जार है तथा ल का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ै और ल का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ै मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ै तथा ल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।